

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग -दशम

विषय- हिंदी

॥अध्ययन-सामग्री॥

क्षितिज पाठ-२

॥ राम- लक्ष्मण -परशुराम संवाद ॥

॥ पात्र परिचय ॥

राम एवं लक्ष्मण

राम भगवान **विष्णु** के सातवें अवतार हैं, और इन्हें **श्रीराम** और **श्रीरामचन्द्र** के नामों से भी जाना जाता है। **रामायण** में वर्णन के अनुसार अयोध्या के सूर्यवंशी राजा, चक्रवर्ती सम्राट **दशरथ** ने पुत्र की कामना से यज्ञ कराया जिसके फलस्वरूप उनके पुत्रों का जन्म हुआ। श्रीराम का जन्म देवी कौशल्या के गर्भ से अयोध्या में हुआ था। श्रीराम जी चारों भाइयों में सबसे बड़े थे। हर वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को श्रीराम जयंती या राम नवमी का पर्व मनाया जाता है।

राम (रामचंद्र)



निवासस्थान

अयोध्या, वैकुण्ठलोक (परमधाम)

निवासस्थान	अयोध्या, वैकुण्ठलोक (परमधाम)
अस्त्र	धनुष (कोदंब/कोदण्ड)
जीवनसाथी	सीता
माता-पिता	दशरथ (पिता) कौशल्या (माता)
भाई-बहन	भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न
संतान	कुश, लव

श्रीराम का जीवनकाल एवं पराक्रम महर्षि **वाल्मीकि** द्वारा रचित **संस्कृत** महाकाव्य **रामायण** के रूप में वर्णित हुआ है। रामायण में **सीता** के खोज में **श्रीलंका** जाने के लिए 48 किलोमीटर लम्बे 3 किलोमीटर चोड़े पत्थर के सेतु का निर्माण करने का उल्लेख प्राप्त होता है, जिसको **रामसेतु** कहते हैं ।

गोस्वामी **तुलसीदास** ने भी उनके जीवन पर केन्द्रित भक्तिभावपूर्ण सुप्रसिद्ध महाकाव्य **रामचरितमानस** की रचना की है। इन दोनों के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं में भी रामायण की रचनाएं हुई हैं, जो काफी प्रसिद्ध भी हैं। भारत में श्री राम अत्यंत पूजनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं तथा विश्व के कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं जैसे **थाईलैंड**, **इंडोनेशिया** आदि । इन्हें पुरुषोत्तम शब्द से भी अलंकृत किया जाता है।^[1] ^[मृत कड़ियाँ] मर्यादा-पुरुषोत्तम राम, **अयोध्या** के राजा **दशरथ** और रानी **कौशल्या** के सबसे बड़े पुत्र थे। राम की पत्नी का नाम **सीता** था इनके तीन भाई थे- **लक्ष्मण**, **भरत** और **शत्रुघ्न**। **हनुमान** राम के सबसे बड़े भक्त माने जाते हैं। राम ने लंका के राजा **रावण** (जिसने अधर्म का पथ अपना लिया था) का वध किया। श्री राम की प्रतिष्ठा मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में है। श्री राम ने मर्यादा

रामायण अनुसार राजा दशरथ के तीसरे पुत्र थे लक्ष्मण। उनकी माता का नाम सुमित्रा था। भगवान राम से लक्ष्मण बहुत प्रेम रखते थे। लक्ष्मण के लिए राम ही माता-पिता, गुरु, भाई सब कुछ थे और उनकी आज्ञा का पालन ही इनका मुख्य धर्म था। वे उनके साथ सदा छाया की तरह रहते थे। भगवान श्रीराम के प्रति किसी के भी अपमानसूचक शब्द को ये कभी बरदाश्त नहीं करते थे। वास्तव में लक्ष्मण का वनवास राम के वनवास से भी अधिक महान है। 14 वर्ष पत्नी से दूर रहकर उन्होंने केवल राम की सेवा को ही अपने जीवन का ध्येय बनाया।

शेषावतार : भगवान राम को जहां विष्णु का अवतार माना गया है वहीं लक्ष्मण को शेषावतार कहा जाता है। हिन्दू पौराणिक मान्यता के अनुसार शेषनाग के कई अवतारों का उल्लेख मिलता है जिनमें राम के भाई लक्ष्मण और कृष्ण के भाई बलराम मुख्य हैं। शेषनाग भगवान विष्णु की शैया है।

लक्ष्मण का जन्म : दशरथ की तीन पत्नियां थी। महर्षि ऋष्यश्रृंग ने उन तीनों रानियों को यज्ञ सिद्ध चरू दिए थे जिन्हें खाने से इन चारों कुमारों का आविर्भाव हुआ। कौशल्या और कैकेयी द्वारा प्रसाद फल आधा-आधा सुमित्रा को देने से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। कौशल्या से राम और कैकेयी से भरत का जन्म हुआ।

